भारत ने निर्यात में बनाया नया रिकॉर्ड

अप्रैल से दिसंबर तक देश का कुल निर्यात 634.26 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली, 15 जनवरी. वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर देश का कुल निर्यात लगातार तीसरी तिमाही में नये रिकॉर्ड स्तर पर रहा है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर 2025 के दौरान देश का कुल निर्यात किसी भी तीसरी तिमाही का नया रिकॉर्ड है.

पहली और दूसरी तिमाही में भी संबंधित तिमाही के निर्यात का उच्चतम स्तर रहा था. इस प्रकार यह पूरे नौ महीने का नया रिकॉर्ड है. आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में अप्रैल से दिसंबर तक देश का कुल निर्यात 634.26 अरब डॉलर रहा. इसमें 4.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है. वहीं आयात भी 4.95 फीसदी बढ़कर 730.84 अरब डॉलर रहा. इस प्रकार, कुल व्यापार घाटा 9.21 फीसदी की वृद्धि के साथ 96.58 अरब डॉलर रहा. इसमें वस्तुओं का निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और सेवाओं का 6.46 प्रतिशत बढ़कर 303.97 अरब डॉलर दर्ज किया गया. वहीं, वस्तु आयात 5.90 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर और सेवा आयात 1.48 प्रतिशत बढ़कर 152.23 अरब डॉलर पर रहा.

पहले नौ महीने की अवधि में अमेरिका को वस्तुओं का निर्यात 9.75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 65.88 अरब डॉलर दर्ज किया गया. चीन को वस्तु निर्यात में 36.68 फीसदी का उछाल आया और यह 14.25 अरब डॉलर हो गया.

अप्रैल-दिसंबर के दौरान भारत से सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली वस्तुओं में अभियांत्रिकी वस्तुएं, पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं शीर्ष तीन पर रहीं. वहीं, आयात के मामले में पेट्रोलियम, कच्चा तेल और उनके उत्पाद शीर्ष पर रहे. इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और सोने का आयात रहा. मूल्य में 49.39 अरब डॉलर के सोने का आयात किया गया. इस दौरान सबसे ज्यादा 65.88 अरब डॉलर का निर्यात अमेरिका को किया गया.

वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 25.04 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, 15 जनवरी. निर्यात के मुकाबले आयात में तेज बढ़ोतरी से देश का वस्तु व्यापार घाटा दिसंबर 2025 में बढ़कर 25.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया. पिछले साल दिसंबर में यह 20.63 अरब डॉलर रहा था. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि दिसंबर 2025 में वस्तु निर्यात 1.88 प्रतिशत बढ़कर 38.51 अरब डॉलर पर पहुंच गया. वहीं वस्तु आयात 8.67 फीसदी की वृद्धि के साथ 63.55 अरब डॉलर हो गया. सेवाओं का निर्यात एक साल पहले के 36.97 अरब डॉलर से घटकर 35.50 अरब डॉलर रह गया. यह 17.80 अरब डॉलर की तुलना में 17.38 अरब डॉलर रह गया. इस प्रकार, सेवाओं और वस्तुओं को मिलाकर कुल निर्यात 74.01 अरब डॉलर और कुल आयात 80.94 अरब डॉलर रहा.

नगरपालिका चुनाव पर बाजार रहे बंद

नितिन कामत बोले- यह भारत की छवि बिगाड़ता है

शेयर बाजार बंद होने पर अरबपति का गुस्सा

महाराष्ट्र 15 जनवरी. महाराष्ट्र में नगरपालिका चुनाव के कारण गुरुवार को देशभर के शेयर बाजारों का बंद रहना अब एक नई बहस की वजह बन गया है. जहां सरकार और एक्सचेंज इसे प्रशासनिक जरूरत मान रहे हैं, वहीं देश के जाने-माने स्टॉक ब्रोकर और जीरोधा के को-फाउंडर नितिन कामत ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है.

कामत का कहना है कि भारत के शेयर बाजार अब सिर्फ स्थानीय निवेशकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पूरी तरह ग्लोबल फाइनेंशियल सिस्टम से जुड़े हुए हैं. ऐसे में किसी एक राज्य के स्थानीय चुनाव के कारण पूरे देश में ट्रेडिंग रोक देना दुनिया को गलत संदेश देता है.

ग्लोबल फंड फ्लो, इंटरनेशनल ट्रेडेड प्रोडक्ट्स और विदेशी निवेशकों पर ऐसे फैसलों का सीधा असर पड़ता है. नितिन कामत ने मशहूर निवेशक चार्ली मंगर का हवाला देते हुए लिखा यानी अगर सिस्टम में गलत प्रोत्साहन हैं, तो नतीजे भी गलत होंगे.

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह कदम भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है. विदेशी निवेशकों की नजर में इससे भारत की प्रोफेशनल और भरोसेमंद छवि को नुकसान पहुंच सकता है. महाराष्ट्र में 15 जनवरी को हो रहे नगरपालिका चुनावों के चलते बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग बंद रहने पर देश के प्रमुख निवेशक और जीरोधा के को-फाउंडर नितिन कामत ने कड़ा ऐतराज जताया है. उन्होंने इसे खराब प्लानिंग और सिस्टम की कमजोरी करार दिया है. उन्होंने कहा कि दुनिया के बड़े और विकसित बाजार स्थानीय चुनावों या आंशिक छुट्टियों के कारण बंद नहीं होते.

टीसीएस और एएमडी मिलकर लाएंगे नए एआई समाधान

नई दिल्ली, 15 जनवरी. देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज अमेरिकी कंपनी एएमडी के साथ मिलकर उद्योगों के लिए विशिष्ट एआई और जेनरेटिव एआई समाधान पेश करेगी. एएमडी प्रोसेसर और ग्राफिक कार्ड बनाने में विशेषज्ञता रखती है.

टीसीएस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उसके पास डोमेन की विशेषज्ञता, सिस्टम इंटीग्रेशन की क्षमता और वैश्विक स्तर पर नवाचार के लिए पारिस्थितिकी तंत्र है. वहीं, एएमडी हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और एआई उत्पादों में अग्रणी है. दोनों कंपनियां मिलकर उद्योगों के लिए हाइब्रिड क्लाउड के आधुनिकीकरण, एआई आधारित कार्यस्थल समाधान और क्लाउड से एज तक नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करेंगी.

कंपनियां दवाओं की खोज, कॉग्निटिव स्तर की अभियांत्रिकी और स्मार्ट विनिर्माण, और बैंकिंग वित्तीय सेवा एवं आईटी क्षेत्र में कुशाग्र जोखिम-प्रबंधन जैसे सेक्टरों के लिए उद्योग-विशिष्ट जेनएआई के विकास पर निवेश करेंगी.

रेलवे ने माल ढुलाई में रचा नया इतिहास

डीएफसी नेटवर्क ने दिखाई अपनी असली ताकत

एक दिन में 892 ट्रेनों का इंटरचेंज

नई दिल्ली, 15 जनवरी. रेलवे ने उन्नत अवसंरचनात्मक सुविधाओं और आधुनिक परिचालन प्रणाली के साथ एक ही दिन में मालगाड़ियों के विशेष गलियारों और रेलवे के जोनल नेटवर्क के बीच कुल 892 माल गाड़ियों के इंटरचेंज का एक नया रिकार्ड बनाया है.

रेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रविवार, 5 जनवरी को मालगाड़ियों के लिए विशेष गलियारा नेटवर्क (डीएफसी) और रेलवे के पांच जोनों के बीच कुल 892 मालगाड़ियों का इंटरचेंज (एक रेल नेटवर्क से दूसरे नेटवर्क पर मार्ग परिवर्तन) किया गया, जो माल गाड़ी कॉरिडोर शुरू होने के बाद एक दिन में दर्ज सबसे ज़्यादा संख्या इंटरचेंज है. पिछला रिकॉर्ड 865 ट्रेनों का था, जो इसी साल 4 जनवरी को हासिल किया गया था. रेल मंत्रालय ने कहा है कि भरोसेमंद और किफायती एंड-टू-एंड रेल माल ढुलाई समाधान प्रदान करके माल ढुलाई में एक नया रिकॉर्ड बनाया है.

डीएफसी अपने उन्नत ढांचे और आधुनिक प्रणालियों के साथ नेटवर्क क्षेत्रों में सामान की कुशल आवाजाही सुनिश्चित कर रहा है, जिससे ट्रांजिट समय और लागत कम हो रही है. इस काम में आधुनिक ट्रेन शेड्यूलिंग टूल, चलती ट्रेनों की तत्काल निगरानी, ऑटोमेटेड सिग्नलिंग, डिजिटल कंट्रोल रूम और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल से और भी मदद मिली है.

इंफोसिस का राजस्व 8.9 फीसदी बढ़ा

बेंगलुरु, 15 जनवरी. सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 2.2 प्रतिशत घटकर 6,654 करोड़ रुपये रह गया. कंपनी ने वित्तीय परिणामों के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि इस दौरान उसका राजस्व सालाना आधार पर 8.9 प्रतिशत बढ़कर 45,479 करोड़ रुपये दर्ज किया गया. राजस्व की तुलना में खर्च ज्यादा तेजी से बढ़ा. इसमें 12.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 32,652 करोड़ रुपये हो गया.

कंपनी ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में उसे 55.9 प्रतिशत राजस्व उत्तरी अमेरिका से प्राप्त हुआ. यूरोप से 32.7 प्रतिशत और भारत से 2.8 प्रतिशत राजस्व मिला.

यशोभूमि में जुटेगा देश का सबसे बड़ा ट्रेड नेटवर्क

बिल्ड कनेक्ट 2026 से बदलेगा निर्माण उद्योग का नेटवर्क

3000 से ज्यादा एमएसएमई डीलर होंगे शामिल

नई दिल्ली, 15 जनवरी. राष्ट्रीय राजधानी के यशोभूमि में 19 और 20 फरवरी को बिल्ड कनेक्ट 2026 का आयोजन होगा, जिसमें 300 से अधिक वितरक और 3,000 से ज़्यादा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्तर के डीलरों के भाग लेने की उम्मीद है. बिल्ड कनेक्ट 2026 के प्रतिनिधियों ने यह जानकारी यहां गुरूवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी.

इस दौरान अंबा शक्ति समूह के अध्यक्ष कमल गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे स्टील क्षमता बढ़ रही है और निर्माता अधिक वैल्यू ऐडेड उत्पाद पेश कर रहे हैं, वैसे-वैसे एक सक्षम और भविष्य के लिए तैयार वितरण नेटवर्क विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी बाज़ार अपनाने के लिए केंद्रीय भूमिका निभा रहा है.

वहीं, बिल्ड कनेक्ट 2026 के आयोजक एवं उद्योग प्रतिनिधि सुमित अग्रवाल ने कहा कि भारत का बढ़ता उत्पादन आधार उद्योग के लिए यह अवसर प्रस्तुत करता है कि वह क्षमता विस्तार के साथ-साथ अपने वितरण ढाँचे को भी आधुनिक और सशक्त बनाए.

भारत का स्टील उत्पादन 1600 लाख टन को पार

उद्योग आकलन के अनुसार वर्ष 2025 में भारत का स्टील उत्पादन 1600 लाख टन को पार कर गया और 2030 तक इसकी स्थापित क्षमता के 3000 लाख टन के स्तर तक पहुँचने के आसार हैं. इसी तरह, बुनियादी ढाँचे और आवास क्षेत्र में लगातार बनी गति के चलते सीमेंट क्षमता में भी समानांतर विस्तार देखा जा रहा है. जैसे-जैसे क्षमता विस्तार तेज़ हो रहा है, उद्योग का ध्यान अब केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रह कर इस बढ़े हुए पैमाने को बाजार तक कितनी कुशलता से पहुंचान पर केंद्रित हो रहा है.

साबरमती स्टेशन पर 20 जनवरी से नई प्रवेश-निकास व्यवस्था

साबरमती, 15 जनवरी. साबरमती रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है. साबरमती नई स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि अन्य पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है.

यात्रियों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से 20 जनवरी 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक आगमन एवं प्रस्थान हेतु नए प्रवेश एवं निकास द्वार तथा पिक-अप एवं ड्रॉप की व्यवस्था लागू की जा रही है. विवरण इस प्रकार है- प्रस्थान करने वाले यात्रियों हेतु प्रवेश एवं निकास व्यवस्था- प्रवेश द्वार - यात्रियों के वाहनों का प्रवेश एमएमटीएस बिल्डिंग (बुलेट ट्रेन स्टेशन) के पास (ग्रीन लाइन) से किया जाएगा. यात्री नवनिर्मित स्टेशन बिल्डिंग में प्रवेश कर लिफ्ट, एस्कलेटर एवं सीढियों के माध्यम से सेकंड फ्लोर से होते हुए सभी प्लेटफार्मों तक पहुंच सकेंगे. यात्रियों को ड्रॉप करने वाले वाहन वर्तमान प्रवेश द्वार से बाहर निकल सकेंगे.

आगमन करने वाले यात्रियों हेतु निकास एवं पिक-अप व्यवस्था निकास द्वार- महेसाणा साइड फुट ओवर ब्रिज के पास (पर्पल लाइन) से निकास की व्यवस्था की गई है.

इसी स्थान पर यात्रियों के लिए पिक-अप जोन भी निर्धारित किया गया है.

पार्किंग सुविधा- यात्रियों की सुविधा के लिए निकास द्वार के निकट दो स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है.

प्लेटफार्म कनेक्टिविटी- सभी प्लेटफार्म दोनों फुट ओवर ब्रिज द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं तथा कलोल साइड फुट ओवर ब्रिज के सभी प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है.

चावल नरम गेहूं, चीनी के दाम बढ़े दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 15 जनवरी. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव गिर गये. गेहूं और चीनी की कीमतों में तेजी रही. वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया. औसत दर्जे के चावल की कीमत 50 रुपये घटकर 3,814 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी.

गेहूं 22 रुपये महंगा हुआ और 2,885 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटे की कीमत भी 16 रुपये बढ़ गयी. दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा. चना दाल औसतन 27 रुपये और तुअर दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई. वहीं, उड़द दाल की कीमत 24 रुपये और मसूर दाल की 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. मूंग दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 21 रिंगिट की गिरावट के साथ 4,043 रिंगिट प्रति टन रह गया. मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.63 प्रतिशत चढ़कर 50.53 डॉलर प्रति सैकड़ा पाउंड के भाव बोला गया.

बंगाल में भाजपा का चेहरा कौन?

कोलकाता. यह लाख टके का सवाल है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी किसको चेहरा बना कर चुनाव लड़ेगी. सामने से ममता बनर्जी की चुनौती है और यह सबको पता है कि भाजपा के पास उनसे मुकाबले के लिए कोई चेहरा नहीं है. तभी भाजपा के नेता अनौपचारिक बातचीत में दावा करते हैं कि चेहरा तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से मुकाबले के लिए भी नहीं था लेकिन भाजपा ने उनको हरा दिया.

जब हर्षवर्धन और किरण बेदी का चेहरा था तब भाजपा नहीं जीती. लेकिन जब बिना चेहरे के लड़ी तो जीत गई. हालांकि यह लॉजिक पश्चिम बंगाल में नहीं चलेगा. वहां ममता बनर्जी से मुकाबले के लिए भाजपा को मजबूत और जमीनी पकड़ वाले नेता का चेहरा दिखाना होगा. क्या वह चेहरा शुभेंदु अधिकारी का होगा? उनके चेहरे पर भाजपा ने पिछला चुनाव लडा था और उसे 77 सीटें मिली थीं. बहुमत का जादुई आंकड़ा 148 सीट का है. अभी भी भाजपा ने अधिकारी को ही आगे किया है. ईडी की छापेमारी के बाद ममता बनर्जी की ओर से शुभेंदु अधिकारी पर आरोप लगाया गया है कि कोयला तस्करी का पैसा उन्होंने अमित शाह तक पहुंचाया. यानी ममता बनर्जी भी उन्हीं से मुकाबला बनाना चाह रही हैं और बाहरी चेहरे के तौर पर नरेंद्र मोदी से ज्यादा अमित शाह को प्रोजेक्ट करके उन पर हमला कर रही हैं.

असल में पश्चिम बंगाल में भाजपा की राजनीति की समस्या यह है कि भाजपा एक के बाद एक चेहरे लाती है और उसे डंप करती जाती है. पहले राहुल सिन्हा भाजपा के अध्यक्ष थे. फिर उनकी जगह दिलीप घोष लाए गए. उसके बाद सुकांत मजूमदार को आगे किया गया और अब शामिक भट्टाचार्य लाए गए हैं. ये सब भाजपा और संघ के पुराने लोग हैं. लेकिन ममता को टक्कर देने के लिए भाजपा उन्हीं की पार्टी तृणमूल कांग्रेस से तोड़ कर शुभेंदु अधिकारी को ले आई है. वैसे तो तृणमूल से मुकुल रॉय को भी लाया गया था लेकिन पार्टी को कोई फायदा नहीं हुआ.

घोष का निर्वासन खत्म

अब अमित शाह ने दिलीप घोष का निर्वासन खत्म कराया है और उनको सक्रिय किया है. वे यात्राएं कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल भाजपा के नेताओं का मानना है कि अगर शामिक भट्टाचार्य और दिलीप घोष मिल कर काम करें तो पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए अच्छा अवसर बन सकता है. ये दोनों जमीनी नेता हैं और भाजपा व संघ के पुराने नेताओं के साथ उनका बेहतर समन्वय है. हालांकि अभी तो भाजपा शुभेंदु अधिकारी के कंधे पर ही नेतृत्व की जिम्मेदारी डाले हुए दिख रही है. दिलीप घोष की एक महीने की सक्रियता के बाद लगता है कोई तस्वीर बनेगी. उनको आधिकारिक रूप से कोई जिम्मेदारी नहीं मिली है.

क्या स्टालिन की जिद डुबो देगी लुटिया?

सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं, कांग्रेस नाराज

चेन्नई. तमिलनाडु में चुनाव से पहले सियासी उथल-पुथल तेज हो गई है. इस बीच कांग्रेस ने एक बार फिर 2006 और 2011 वाली मांग दोहरा दी है. लेकिन इस मांग पर को स्टालिन ने नकार दिया है. द्रमुक के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई पेरियासामी ने तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया. उन्होंने कहा कि सीएम एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं.

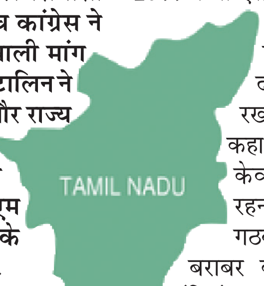

तमिलनाडु में कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है. कांग्रेस के सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है. इससे पहले 2006 और 2011 में भी ऐसी ही मांग की गई थी.

तमिलनाडु कांग्रेस ने आगामी चुनावों के मद्देनजर अपने सहयोगी दल डीएमके के सामने एक स्पष्ट शर्त रखी है. पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि गठबंधन की जीत के बाद उन्हें केवल बाहरी समर्थन तक सीमित नहीं रहना है. कांग्रेस का मानना है कि यदि गठबंधन जीतता है, तो उन्हें सरकार में बराबर का सम्मान मिलना चाहिए और मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए. कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद मणिकम टैगोर ने सार्वजनिक रूप से सत्ता साझा करने के मुद्दे को बहस के केंद्र में ला दिया है. उनका मानना है कि अब पुरानी परंपराओं को छोड़कर गठबंधन धर्म को नए सिरे से परिभाषित करने का सही वक्त आ गया है.

हेमंत को लेकर जारी हैं अटकलें

रांची. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लेकर अटकलों का दौर जारी है. कोई एक महीना पहले, जब वे दिल्ली में थे और करीब पांच दिन तक बिना किसी सरकारी कार्यक्रम के वहां रहे तो अटकले लगी थीं कि उनकी मुलाकात भाजपा के बड़े नेताओं से हुई है. कहा जाने लगा कि वे भाजपा के साथ जा सकते हैं. हालांकि उस समय वे अपने ससुर के इलाज के सिलसिले में दिल्ली में थे.

अब इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि हेमंत सोरेन पिछले हफ्ते अहमदाबाद किस लिए गए गए थे. वे सुबह अहमदाबाद गए और शाम में वापस लौट आए थे. उनकी इस यात्रा के बाद फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति के बाद झारखंड में गठबंधन बदल सकता है.

कहा जा रहा है कि हेमंत सोरेन का भाजपा से तालमेल हो जाएगा और नई सरकार का गठन होगा. इससे हेमंत सोरेन को कानूनी मुकदमों से राहत मिलेगी और राज्य सरकार को भी केंद्रीय मदद मिलने लगेगी तो रूके हुए काम आगे बढ़ेंगे. यह भी कहा जा रहा है कि उसके बाद हेमंत सोरेन कांग्रेस को तोड़ देंगे. ये अटकलें इसलिए शुरू हुईं क्योंकि मुख्यमंत्री अहमदाबाद में एक बड़े उद्योगपति की ओर से आयोजित पोलो मुकाबला देखने पहुंचे और उसके बाद दूसरे बड़े उद्योगपति से उनकी मुलाकात हुई. ध्यान रहे कुछ समय पहले गौतम अडानी ने रांची में उनसे मुलाकात की थी और अब जानकार सूत्रों का कहना है कि अहमदाबाद में दोनों की मुलाकात हुई है. बहरहाल, बिहार और झारखंड की राजनीति में मकर संक्रांति के बाद क्या बदलाव होते हैं इस पर सबकी नजर है.

विशेष | क्या करेंगे काम, कैसे 2026 में पलटेगी पूरी बाजी?

तपस रॉय को भाजपा ने बनाया ब्रह्मास्त्र

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की राजनीति में 2026 विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो चुकी है. चुनाव से महज तीन महीने पहले भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा दांव खेला है. भाजपा ने जैसे ही अपनी नई राज्य समिति का ऐलान किया, एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा में आ गया- तपस रॉय. तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में आए इस अनुभवी नेता को उपाध्यक्ष बनाकर पार्टी ने साफ संकेत दे दिया है कि वह अब केवल विपक्ष की भूमिका में नहीं रहना चाहती. भाजपा अब सत्ता की सीधी लड़ाई के लिए पूरी ताकत झोंकने जा रही है.

तपस रॉय को भाजपा का 'ब्रह्मास्त्र' कहे जाने के पीछे सिर्फ उनका पार्टी बदलना नहीं, बल्कि उनका राजनीतिक अनुभव, शहरी कोलकाता में पकड़ और टीएमसी के भीतर की कार्यशैली की गहरी समझ है. सवाल यह है कि भाजपा ने रॉय पर इतना भरोसा क्यों जताया और क्या वाकई उनकी भूमिका 2026 में बंगाल की पूरी बाजी पलट सकती है, वह संगठन में क्या काम करेंगे?

तपस रॉय और क्यों अहम हैं?- तपस रॉय पश्चिम बंगाल की राजनीति का जाना-पहचाना नाम हैं. वे पांच बार विधायक रह चुके हैं. एक बार कांग्रेस से और चार बार तृणमूल कांग्रेस से. बारानगर सीट से लगातार जीत दर्ज कर चुके रॉय टीएमसी सरकार में राज्य मंत्री (योजना एवं सांख्यिकी) भी रहे हैं. इसके अलावा वे पार्टी के उप मुख्य सचेतक और दमदम-बैरकपुर जिला अध्यक्ष जैसे प्रभावशाली पदों पर रहे. इससे संगठन और सरकार दोनों का अनुभव उन्हें मिला. भाजपा की नई 35 सदस्यीय राज्य समिति में तपस रॉय को उपाध्यक्ष बनाना रणनीतिक फैसला माना जा रहा है. पार्टी शहरी कोलकाता, उत्तर कोलकाता और अर्ध-शहरी इलाकों में अपनी कमजोरी मानती रही है. रॉय इन्हीं इलाकों में प्रभाव रखते हैं. भाजपा उन्हें ऐसे चेहरे के रूप में देख रही है जो टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगा सके.

भाजपा में तपस रॉय का असली काम क्या होगा?

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक उपाध्यक्ष का पद सम्मानजनक है, लेकिन इसका मतलब केवल पद नहीं है. रॉय से उम्मीद की जा रही है कि वे उत्तर कोलकाता और शहरी इलाकों में बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करें. टीएमसी से नाराज नेताओं और कार्यकर्ताओं को भाजपा से जोड़ें. शहरी मतदाताओं और अल्पसंख्यक वर्ग के बीच संवाद बढ़ाएं और स्थानीय मुद्दों पर भाजपा की पकड़ मजबूत करें.

फोटो-